

प्रेषक,

एस0 राजू,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 31 जनवरी, 2011

विषय: कुम्भ मेला, 2010 के अन्तर्गत पर्यटन विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव हेतु अतिरिक्त धनराशि की मांग की धनराशि के व्यय की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-308/IV(1)/2010-283(कुम्भ)/2009 दिनांक 26.02.2010 व उसके क्रम में संशोधित लागत इंगित करने हेतु निर्गत शासनादेश संख्या-313/IV(1)/2010-283(कुम्भ)/2009 दिनांक 26.02.2010 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। तदनुसार पर्यटन विभाग के कार्यों हेतु ₹ 463.38 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति देते हुए वित्तीय वर्ष 2009-2010 में व्यय हेतु धनराशि अवमुक्त की गई थी। तदक्रम में आपके पत्र संख्या-8939/कु0मे0/पर्यटन, दिनांक 15.12.2010 तथा उनके संलग्नक संयुक्त निदेशक, पर्यटन के पत्र संख्या-2768/2-7-420/2010, दिनांक 08.12.2010 के माध्यम से व्याधिव्य के सापेक्ष ₹ 287.38 लाख की स्वीकृति के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि इस हेतु अतिरिक्त मांग ₹ 287.38 लाख (रु. दो करोड़ सतासी लाख अड़तीस हजार मात्र) की धनराशि के कार्यों की कार्योत्तर प्रशासकीय स्वीकृति सहित इतनी ही धनराशि वित्तीय वर्ष 2010-11 में पी.एल.ए. में रखी गयी धनराशि से व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आवश्यकतानुसार किशतों में आहरण किया जाएगा और पूर्व आहरित धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही अगली किशत का कोषागार से आहरण किया जाएगा। यदि पूर्व अवमुक्त धनराशि बैंक में रखकर उस पर ब्याज अर्जित हुआ है तो उस समस्त अर्जित ब्याज को राजकोष में ट्रेजरी चालान से जमा करके उसकी फोटोप्रति शासन को अविलम्ब उपलब्ध करवाने का दायित्व मेलाधिकारी का ही होगा।
2. व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि समस्त वित्तीय एवं अधिप्राप्ति नियमों व समय-समय पर निर्गत आदेशों व निर्देशों की परिनियमावली के साथ कार्य न्यूनतम लागत पर कराये गये हैं और इस क्रम में कोई धनराशि बचत होती है तो उसे तत्काल राजकोष में जमा किया जायेगा। भुगतान करने से पूर्व यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि किये गये कार्यों का समुचित स्तर से भौतिक सत्यापन किया गया है तथा मात्रा व गुणवत्ता की तृतीय पक्ष से जांच/पुष्टि कराई गई है।
3. कार्य स्वीकृत धनराशि में ही पूर्ण किया जायेगा और आगणन का पुनरीक्षण किसी भी दशा में अनुमन्य न होगा।
4. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2011 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
5. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के लिए मेलाधिकारी एवं कार्यदायी विभाग/संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
6. उक्त धनराशि का आहरण उपाध्यक्ष, हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार के द्वारा पी.एल.ए. में रखे गये धनराशि से किया जायेगा।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय शासनादेश संख्या-436/IV(1)/2010-39(साम0)2006-टी0सी0 दिनांक 25.03.2010 के द्वारा मेलाधिकारी, हरिद्वार के निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रु0 108.5590 करोड़ के सापेक्ष किया जायेगा एवं पुस्तांकन तदुस्थान में वर्णित लेखाशीर्षक में किया जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. 382/XXVII(2)/2010 दिनांक 07 जनवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(एस0 राजू)
प्रमुख सचिव।

संख्या : 1324 (1)/IV(1)/2010 तददिनांक। 31/01/11

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
11. संयुक्त निदेशक, पर्यटन, उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, उत्तराखण्ड।
12. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(सुभाष चन्द्र)
उप सचिव।

शासनादेश संख्या-1324 /iv(1)/2010-283(कुम्भ)/2009
दिनांक 31 जनवरी, 2011 का संलग्नक।

(धनराशि लाख में)

क्रम संख्या	कार्य का नाम	शासन से पूर्व में अवमुक्त धनराशि	वर्तमान में अवमुक्त की जा रही अतिरिक्त धनराशि
01	मीडिया प्लान	50.00	73.75
02	पब्लिकेशन	17.86	04.97
03	आर्न साइट	30.14	89.22
04	हास्पिटेलिटी	2.00	00.14
05	प्रदर्शिनी	140.00	119.30
06	जिला पर्यटन कार्यालय के फ्रन्ट सौन्दर्यीकरण के साथ पर्यटक कार्यालय व पर्यटन सूचना केन्द्र का उच्चीकरण।	18.92	—
07	हरिद्वार में महत्वपूर्ण स्थलों पर संचालित 13 शौचालयों का उच्चीकरण एवं अन्य कार्य।	156.42	—
08	हरिद्वार में महत्वपूर्ण स्थलों पर संचालित 21 शौचालयों का जीर्णद्वार एवं अन्य कार्य।	48.04	—
	योग	463.38	287.38

(₹ दो करोड सतासी लाख अड़तीस हजार मात्र)

(सुभाष चन्द्र)
उप सचिव।